>

Title: Need to formulate a plan to check water logging and siltation in rivers flowing through Chapra & Siwan districts of Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, भारत कृषि प्रधान देश है। भारत की लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृÂिष पर निर्भर है, इसलिए कहा जाता है कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, परंतु लगातार होने वाले बाढ़ और सूखा की विभिषिका ने देश के किसानों की कमर तोड़ दी है। एक सौ करोड़ से ज्यादा की आबादी को भोजन जुटाने वाले किसानों की हालत सरकार की उपेक्षा के कारण खुद ही भूखा और फटेहाल है।

प्रतिवÂर्ष आने वाली बाढ़ से देश के अन्य भागों की तुलना में उत्तर बिहार सबसे अधिक प्रभावित होता है। इसका मुख्य कारण है जल जमाव की समस्या। उत्तर बिहार का छपरा-सिवान जिला सरयू एवं नारायणी नदी से घिरा हुआ है, साथ ही छोटी-छोटी नदियां भी सिवान-छपरा से होकर गुजरती हैं। छपरा सिवान जिला का महत्वपूर्ण हिस्सा जितना बाढ़ से प्रभावित होता है, उससे कहीं ज्यादा जल-जमाव से प्रभावित होता है। किसानों की हजारों एकड़ भूमि की फसल प्रतिवर्ष जल निकासी नहीं होने के कारण बर्बाद हो जाती है। अगर जल निकासी की व्यवस्था कर दिया जाये तो प्रतिवर्ष बर्बाद हो रहे किसानों की फसल को बचाया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि जिन जिन भूभाग में जल जमाव की समस्या है, उन भूभाग से पक्का पईन बनाकर, उस पईन को नदी से जोड़ दिया जाये ताकि अत्यधिक पानी पईन के माध्यम से नदी में गिरता रहे और जल जमाव न हो। जैसे छपरा जिला के माझी प्रखंड में धुरदेह चवर एवं बनियापुर प्रखंड में बहियरा चवर की जल निकासी, जलालपुर प्रखंड में तेल नदी की निकासी के साथ ही छोटी-छोटी नदियों में मिट्टी भर जाने के कारण पानी नदी से बाहर हो जाता है एवं बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिसके चलते किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उत्तर बिहार के छपरा एवं सिवान जिले में जल जमाव की समस्या एवं छोठी-छोटी नदियों में मिट्टी सफाई से निजात दिलाने हेतु बिहार सरकार से प्रोजेक्ट मंगवाकर उसकी स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि आबंटित किया जाये।